विषय– चित्रकला

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

नोट- उपरोक्त पाठ्यक्रम में लिखित पाठ्यक्रम नहीं है, इसलिए पाठ्यक्रम कम करने का औचित्य नहीं है।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 100 प्रतिशत का पाठ्यकम निम्नवत् है–

विषय– चित्रकला

कक्षा–9

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभक्त होगा, जिसमें से किन्ही दो खण्डों के प्रश्न करने होंगे।

खण्ड–क (प्राविधिक) **35 अंक**

इस खण्ड में कुल पाँच प्रश्न होंगे, जिसमें से कुल तीन प्रश्न करने होंगे। 15 अंकों का अक्षर लेखन अनिवार्य होगा। शेष प्रश्न 10-10 अंकों के होंगे :–

1–रेखाओं तथा कोणों पर आधारित ज्यामितीय निर्देश।

2–अनुपात तथा समानुपात (रेखा तथा कोण)।

3–त्रिभुज (समद्विबाहु, समबाहु आदि)।

4–चतुर्भुज (वर्ग, आयत, पतंगाकार आदि)।

5–बहुभुज (पंचभुज आदि)।

6–अक्षर लेखन (बड़े अक्षर एवं तिरछे)।

खण्ड–ख (आलेखन) **35 अंक**

दिये गये वर्ग अथवा आयत में एक या दो आवृत्ति के किसी भारतीय पुष्प (कमल, सूरजमुखी, गुलाब, कनेर, जीनिया, डहेलिया आदि) पर आधारित मौलिक आलेखन वस्त्र पर छपाई (टेक्सटाइल डिजाइन) अथवा अल्पना के दृष्टिकोण से तैयार करना।

चित्र दो सपाट रंगों में पूर्ण किया जाये।

खण्ड–ग (मानव आकृति) **35 अंक**

साधारण पृष्ठ भूमि में सम्पूर्ण आकृति के एक वर्गीय (मोनोक्रोम) चित्रांकन, बालक, किशोर, युवा अथवा वृद्ध (स्त्री, पुरुष) का स्मृति से दिये गये विषय के अनुसार चित्र बनाया जाये। चित्र पेंसिल, क्रेयान अथवा काली स्याही (ब्लैक स्केच पेन) से लगभग पूरे पृष्ठ पर बनाया जाये। मानव शरीर एवं उसके विविध अंगों के अनुपात पर ध्यान दिया जाये।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–परियोजना कार्य तीन खण्डों में विभक्त होगा, जिसमें से किन्हीं दो खण्डों से तीन परियोजना कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। प्रत्येक परियोजना कार्य पाँच अंक का है। इसके अतिरिक्त 15 अंक मासिक परीक्षा के लिये निर्धारित है।

परियोजना कार्य सैद्धान्तिक, तकनीकी कौशल तथा माध्यम (जलरंग, पोस्टर रंग, पेंसल, चारकोल, क्रेयान, इंक आदि) के उपयुक्त प्रयोग पर आधारित होगा।

परियोजना कार्य में संयोजन, सौन्दर्य (आकर्षण) अनुपात, लय के सिद्धान्तों का ध्यान रखते हुये पूर्ण किया जाये।

खण्ड–क (प्राविधिक)

1–रेखाओं एवं कोणों पर आधारित किसी वास्तु (आर्कीटेक्चर) की परिकल्पना करें और उसके पार्श्व को ज्यामितीय आधार पर पूर्ण करें जिससे यह ज्ञात हो कि ज्यामितीय ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग विद्यार्थी कर सकेगा।

2–त्रिभुज एवं उसके वैविध्य का ज्ञान पर बने हेतु सिटी स्केप, लैण्ड स्केप के ज्यामितीय आरेख बनाये जो पूर्णतः त्रिभुजाकार में हो।

3–वर्ग/आयत (चतुर्भुज) के क्षेत्रफल ज्ञात करने की विधि को उदाहरण सहित व्यक्त करें जिससे यह ज्ञात हो कि विद्यार्थी इसका व्यावहारिक उपयोग कर सकेगा।

4–बहुभुज की उपयोगिता को सिद्ध करने वाले कोई 10 उदाहरण दें और उसे सचित्र वर्णन करें।

5–विद्यार्थी के अक्षर लेखन (Calligraphy) के परख करने के लिये कम से कम बीस वाक्य लिखें जो कलात्मक, कोंणात्मक, तिरछा, अलंकारिक आदि प्रकार के हों।

खण्ड–ख (आलेखन)

6–आलेखन की उपयोगिता को रेखांकित करते हुये किसी वर्ग अथवा आयत में भारतीय पुष्पों के साथ एक मौलिक वस्त्र छपाई (टेक्सटाइल डिजाइन) की रचना करें।

7–कोई अल्पना या रंगोली की रचना करें जो चूर्णित, शुष्क एवं आर्द्र माध्यम के साथ पूर्ण किया जाय।

8–अलंकारिक एवं ज्यामितीय आलेखन की रचना करें, उसे जलरंग द्वारा पूर्ण करें।

9–पेंसिल एवं चारकोल द्वारा आलेखन तैयार करें जिसमें रंग का उपयोग न हो किन्तु आकर्षण एवं लय की स्थिति कायम रहे।

10–पोस्टर कलर अथवा वैक्स कलर के साथ अल्पना की रचना करें (वैक्स का टेक्चर यथावत् रखें उसे मिलाइये नहीं)।

खण्ड–ग (मानव आकृति)

11–एक वर्णीय (मोनोक्रोम) चित्रण पद्धति द्वारा बालक, किशोर, वृद्ध, पुरुष की मानव आकृति सृजित करें।

12–पेंसिल, चारकोल, वैक्स द्वारा बालिका, किशोरी एवं वृद्धा की आकृति सृजित करें।

13–पेंसिल अथवा पेन द्वारा कार्यरत मानव आकृति का शीघ्रता में रेखांकन किया जाय जिसमें गति का बोध हो।

14–स्त्री, पुरूष, बालक-बालिका के शरीरानुपात को ध्यान में रखते हुये जलरंगी चित्रण करें।

15–किसी स्त्री-पुरूष, बच्चा-बच्ची का वास्तविक चित्र अंकित करें तथा पुनः उसी को कार्टून में परिवर्तित करें।